प्रस्तावना

'महाराष्ट्र विधिमंडल को ७५ साल पूर्ण हुए । जुलाई २०११ से २०१२ का यह कालखंड विधिमंडल का अमृत महोत्सवी वर्ष मनाया गया ।'[१] यह भारतीय जनतंत्र का एक महत्वपूर्ण पडाव समझा गया । किसीभी राज्य विधिमंडल की पचहत्तरी मनाई जाना यह संसद जनतंत्र मजबूत होने का प्रतिक है ।

महाराष्ट्र विधिमंडल के ७५ साल के इतिहास के पीछे राजनिति भी समाई हुई है । अर्थात दुरगामी परिणाम करनेवाले सामाजिक, धार्मिक एवं राजकिय सुधारोंका स्वतंत्रता आंदोलनका व्याप्त सामाजिक एवं आंदोलन का प्रदीर्घ इतिहास छिपा हुआ है ।

महाराष्ट्र भारत के २८ घटक राज्यों मे से एक विकसित राज्य है । महाराष्ट्र मे कूल ३७ जिले है । बुलडाणा जिला उनमें से एक है । बुलडाणा जिलेको विद्र्भ का प्रवेशद्वार समझा जाता है । भारतीय स्वतंत्रता संग्राम मं महाराष्ट्र वऱ्हाड प्रांत सबसे आगे था । वऱ्हाड प्रांत का बुलडाणा जिला भी अग्रेसर था । भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के हर एक मंजिलपर बुलडाणा जिले का सहभाग अतुलनिय एवं अवर्णनीय है । बुलडाणा जिले में सात मतदार संघ है । उनमें बुलडाणा, चिखली, सिंदखेड राजा, मेहकर, खामगाव जळगाँव जामोद व मलकापूर मतदार संघ शामिल है ।

महाराष्ट्र का १९९०-९५ का विधानसभा चुनाव राजनिति की दृष्टीसे महत्वपूर्ण है । इस चुनाव मे काँग्रेस की हार हुई । इसीप्रकार बुलडाणा जिल में भी काँग्रेस को १९९० एवं १९९५ के चुनाव मे युतीने मजबुती से आव्हान दिया । इसमें युतिका प्रभाव बढताही गया ।[२] चैनसुख संचेती महाराष्ट्र विधानसभा के १९९५ के चुनाव मे पहलीबार मलकापूर मतदार संघ के जनप्रतिनिधि चूनकर आए । जीसवर्ष कांग्रेस को पछाडकर युतीको अपक्ष उम्मीदवार की सहाय्यता से सरकार बनाने में कामियाब हुए । उसीसमय महाराष्ट्र में ज्यादा से ज्यादा अपक्ष उम्मीद्वार चूनकर आए थे । उनमें सें एक मलकापूर मतदार संघ के चैनसुख संचेती भी थे ।

मलकापूर शहर यह बुलडाणा जिले के १३ तहसील में से एक है । मलकापूर शहर यह महान देशभक्त, स्वातंत्र्य सेनानी, थोर क्रांतिकारकों के पदस्पर्श से पावन हुआ है । मलकापूर में अब का स्थित पुस्तकालय क्रांतिकारकों के संग्राम का एक महत्वपूर्ण स्थान था। मलकापूर विधानसभा मतदार संघ से पहली बार १९९५ को अपक्ष उमेद्वार के रुप में विधायक चैनसुख संचेती जीते । परंतु विधायक चैनसुख संचेती अपक्ष उम्मीदवार को रुप में चुनकर आए तो भी आपका जन्म जनसंघ के कार्यकर्ता के घर में हुआ, होने के कारक वे सदैव जनसंघ एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रेरित होकर कार्य करते रहे । इसका परिणाम आनेवाले विधानसभा चुनावपर हुआ । और २००० के विधानसभा चुनाव से लेकर २००९

---

१. घाटोळे, विवेक, विधिमंडळाची अमृत-महोत्सवी वाटचाल, संपादक तुकाराम जाधव, महाराष्ट्र वार्षिकी २०१२, पृष्ठ क्र. ३.
२. पूर्वोक्त, पृष्ठ क्र. ३.

Scanned by CamScanner

तक लगातार तीन बार आपने भा.ज.पा. के उम्मीदवार के रुप मे मलकापूर विधानसभा मतदार संघपर जीत हासिल की । यह ख्याति उन्है क्यों हासिल हुई? आपके कार्य के गौरव के कारण जनता आपको चूनकर देती है ? आपेक व्यक्तित्व के कारण आपको लोकमानव प्राप्त हुआ हो यह कैसे? या मलकापूर मतदार संघ में आपको प्रतिस्पर्धी अब तक मिलाही नही? इन सभी बातों को जाँचने के लिए खाजेकर्ता (संशोधकने) ने इस विषय का चयन किया है ।

Scanned by CamScanner

अध्याय ३ रा
विधायक चैनसुख संचेती इनकी सामाजिक व राजनितिक नेतृत्व की पार्श्वभूमी

विधायक चैनसुख संचेतींजी का सामाजिक व राजनितिक नेतृत्व साकार करने के लिए नेतृत्व की संकल्पना स्पष्ट करणे अनिवार्य है ।

नेतृत्व की संकल्पना बहुत पुरानी है । मानव समाज की निर्माण के साथ साथ नेतृत्व की भी जरुरत पडने लगी । समाज के कई क्षेत्रों में जैसे, लष्कर नेता, धार्मिक एवं समाज सुधारक, वैज्ञानिक, राज्यकर्ती, लेखक, कलाकार ऐसी विविध भूमिकाएँ सफलतपूर्वक निभाकर कई व्यक्ति लोग उच्चस्तत तक पहुँचे हुए समाज मे और देश में दिखाई देते है । उनमें से बहुतोंका प्रभाव जनमानसपर उनकी मृत्यु के पश्चात भी बहुत समय तक टिका हुआ दिखाई देती है । इन सभी के वर्तन के लिए नेतृत्व यह संज्ञा सामाजिक शास्त्र में इस्तेमाल की गई है । नेतृत्व किस कहते है? यह अधिक स्पष्ट करने के लिए कई राजकिय विचारकोंने इस संकल्पना के बार में विविध परिभाषाएँ दी है । उनमें सें राज्यशास्त्र के कोश में कि गई नेतृत्व की परिभाषा निम्नप्रकार से है ।

'एकाध गट का विशेष उद्देश्य प्राप्त कराने के प्रयत्नों का संगठन, दिग्दर्शन करने के उद्देश्य से प्रेरित हुआ वर्तन यांनी नेतृत्व.'

नेतृत्व के कई प्रकार है । बौद्धिक एवं आदर्शवादी नेतृत्व, प्रशासक नेतृत्व, नींव रखनेवाला नेतृत्व, संस्थागत नेतृत्व, पदसिद्ध अथवा नोकरशहा नेता, दैवी अथवा आध्यत्मिक नेता, प्रभावी नेता, तज्ञ नेता, राजनितिक नेता इन कई प्रकारे के नेतृत्व होकर राजनितिक नेतृत्व में और दो प्रकार दिखाई देते है । जनतंत्र एवं हुकूमशाही नेतृत्व ।

इनमें से जनतंत्र नेतृत्व के आधारपर जनता के द्वारा चूनकर आए हुए जनप्रतिनिधि मलकापूर मतदार संघ का नेतृत्व करनेवाले विधायक चैनसुख संचेतीजी जो निरंतर १९९५ से २०१४ के काल में नेतृत्व की कमान संभाल रहे है । विधायक चैनसुख संचेती जी की कौटुंबिक पार्श्वभूमि ध्यान में रखते हुए विधायक संचेतीजी का जन्म १६ दिसंबर १९५३ के दिन श्री मदनलालजी नथमजली संचेती के घर मे हुआ । उन्हे छह भाई-बहने थे । संयुक्त कुटूंब के परिवेश में उनपर अच्छे संस्कार हुए । पिताजी, काकाजी पहले से ही जनसंघ के सेवक थे । मलकापूर शहर में उनकी १० वी तक की शिक्षा पूर्ण होने के बाद वे नागपूर आगे शिक्षा हासिल करने के लिए गए । उन्हौंने केमिस्ट्री (रसायनशास्त्र) की शिक्षा एवं स्नातक हासिल किया । पिताजी एवं काकाजी की राजनीतिक समाजसेवा की विरासत आगे चलती रहने के लिए राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश किया ।[१]

---

१. प्राचार्य मेरेकर यांचे नि.भो.चाडक महाविद्यालयाचे व जनसंघाचे कार्यकर्ते यांच्या मुलाखतीतून मिळालेली माहिती, मलकापूर.

Scanned by CamScanner

विधायक चैनसुख संचेतींजीने अपने कार्य की शुरुआत समाजसेवा से की । यह विरासत उन्है अपने पुरखों से हासिल हुई । यही सिलसिला आगे चलाते रखने का उनका प्रयत्न दिखाई देता है । उसमें उनका सामाजिक नेतृत्व साकार हुआ है । शुरुवात में उनका कार्य यानी पार्टी (पक्ष) के लिए १९७८-८० के समय कपास उत्पादक किसानों के लिए निकाली गई पदयात्रा में सहभाग दर्शाकर कई जिलों में पैदल दौरा किया । इ.स. २००१ में गुजरात मे आया हुआ जोरदार भूकंप और उसमें पिडितों का पूर्नवसन कराने के लिए ग्यारह लाख रुपयोंकी आर्थिक सहायता दी । असाध्य रोगों से पिडित कँन्सर से ग्रस्त, दिल के मरीज इनकी शस्त्रक्रिया एवं दवाईयों के लिए मदत एवं सहयोग दिया । समाज के दरिद्र रेखा के नीचे लोगों का जीवनस्तर ऊंचा उठाने के लिए बुलडाणा जिले में लोकोद्धार प्रकल्प को बनाया गया । मलकापूर मतदार संघ में १९९६ के काल में नांदुरा परिसर में हुई जोरदार गारपिट के कारण लोगों का बहुतही नुकसान हुआ यब देखकर उसकी भरपाई कराने के लिए और दुबारा बीज बौने के लिए शासन की और से २० लाख रुपयों की सहायता मिलाकर दी ।[२] उन्हौंने मलकापूर और नांदरा तहसिल के मतभेद, जातिए दंगे, वाद, झगडे, इसमें जातियता से ध्यान देकर दंगे, झगडे न हो इसलिए प्रयत्न किए । ऐसा होनेपर समझदारी से वे छुडाने का उन्हौने प्रयत्न किया । मलकापूर शहर में अतिवृष्टी होनेपर पारपेठ परिसर से जानेवाली नदी को बाढ आई । और लोगों के घरो में पाणी गया । इससे लोखों रुपयों की क्षती हुई । लोगों का शहर से संपर्क टुट गया । उस परिस्थितमें विधायक संचेतीजीने खुद बोट से सफर करके घर-घर तक खाना एवं जीवनोपयोगी वस्तूओं को पहुँचाया ।

सामाजिक कार्य से उन्हौने मलकापूर मतदार संघ के लोगों मे रिश्ता बनाकर उन लोगों की समस्याएँ जानने का प्रयत्न किया । और उसके लिए हमेशा प्रयत्नरत रहकर लोगों की जरुरतों, रास्ते पिणे का पाणी की सेवा, शैक्षीक सुविधाएँ, पथदिए, शौचालय, क्रिडासंकुल, देहातों से शहरों को जोडनेवाले रास्ते, बँक, रेलस्थानक सुविधा ऐसे विविधान्मुख विकासात्मक कार्यो से सामाजिक ऋण पूर्ण किया यह दिखाई देता है ।[३]

३.१ राजनितिक कार्य एवं नेतृत्व :

विधायक चैनसुख संचेतीजी ने इ.स. १९९५ में मलकापूर विधानसभा मतदार संघ पर जीत हासिल करके प्रथमतः राजनितिक पथ पर पदार्पन किया । उस समय से उनके राजनितिक नेतृत्व की शुरुआत हुई । उन्हौने किए गए कई राजनितिक कार्य के कारण वे लगातार चार बार मलकापूर विधानसभा मतदार संघ से जीत कर आए । लोकनियुक्त जनप्रतिनिधी यह एक अर्थ से उस परिवेश का पिता ही होता है । इसलिए अपने प्रांत के

---

२. कुलकर्णी, अविनाश, कर्तव्य पुर्तीचे पहिले पाऊल, जनसामान्यांच्या सुखदुःखात समरस होणारा लोकप्रतिनिधी, अविनाश पाठक, नागपूर प्रकाशन तिथी दि. १८ मार्च १९९६, पृष्ठ क्र. १२९

३. शेगोकार, राजेश, दृष्टीक्षेप मलकापूर विधानसभा मतदार संघावर, लोकमत, दि. २२ ऑगस्ट २०९ पृष्ठ क्र. ३

Scanned by CamScanner

सहकार्य के लिए अपने आप पर जी जान लुटा देनेवाली जनता के लिए बहुत कुछ करने की इच्छा होती है ।

परंतु उसे सत्ता के अभाव में करना असंभव होता है । और सत्ता हासिल हुई की उससे वह अपनी जनता की सेवा के लिए लढता रहता है । उसमें सें ही समाजकारण, राजनीती के साथ संलग्न रहकर उन्हौंने मलकापूर मतदार संघ का विकास करने का प्रयत्न किया है । उन्हौंने अपने कर्तव्य का पहला पग उठाकर स्थानिक कार्यक्रमोंके लिए मिले हुए पैसों का इस्तेमाल लोगों के उपयोग के लिए किया । उसमेंही कई समाजउपयोगी कार्य किए। और विधायक फंड से, सांसद फंड से शासन की कई योजनाओं का फायदा लेकर विधायक चैनसुख संचेतीजी ने सभी अंगों का विकास मलकापुर मतदार संघ में किया । इसीका नतीजा यह हुआ कि, चार बार वे चूनकर आए । २००९ में अनेक राजनीतिक नेतृत्व की सफलता को स्पष्ट करने के लिए कई भा.ज.पा. नेताओं ने बुलडाणा जिले के सांसद और विधायकोंने उनके बारे प्रतिक्रियाएँ व्यक्त की । और युवावर्ग एवं मलकापूर के आम जनता ने भी अपनी प्रतिक्रयाएँ विधायक चैनसुख संचेतीजी के बारे में व्यक्त की ।

नेतृत्वकी संकल्पना स्पष्ट करते समय राजनीतिक नेतृत्व यह बहुत: लोगों की मान्यतापर अथवा अधिमान्यतापर निर्भर होता है । विधायक चैनसुख संचेतीभी १९९५ से २०१४ के कालतक अपना नेतृत्व पूरा कर रहे है । आपके २० साल के समय में उन्हौंने लोगों की जरुरतों को ध्यान में रखकर विकास किया है । उनके अनुलनिय कार्य के कारण एक अबाधित स्थान वे निर्माण कर सके । उन्हौंने अपने अधिकारों का इस्तेमाल हमेशा समाज की भलाई के लिए ही किया । उन्हौंने राजनीतिक नेतृत्व से एवं सामाजिकता के माध्यम सें पिछडे वर्ग जो बुलढणा जिले के मलकापूर नांदुरा भागो का विकस किया हुआ दिखाई देता है ।

Scanned by CamScanner

अध्याय चौथा

विधायक चैनसुख संचेतींका विधानसभा में प्रत्यक्ष सहभाग :-
(इ.स. १९९५-२०००)

विधिमंडल के सदस्यों का सहभाग दो प्रकार का होता है । १) जनता के प्रश्नों के लिए लोगों के साथ आंदोलन के माध्यम से लिया गया सहभाग । २) विधानसभा के कामकाज विविध संसदिय आयुधों के माध्यम से लिया गया प्रत्यक्ष सहभाग ।

१) जनता के साथ सहभाग :- यह सहभाग दो प्रकार का होता है । १) प्रत्यक्ष सहभाग २) अप्रत्यक्ष सहभाग ।

१) प्रत्यक्ष सहभाग :- लोग जब राजनीतिमें सक्रिय होते है और नजदिकी सें प्रत्यक्ष कामकाजमें हिस्सा लेते है, अपनी अपेक्षाएँ, इच्छा, समस्याओं के लिए स्वत: सरकार के साथ लडते है, अलग-अलग मार्गो का इस्तेमाल करते है, हडताल, आंदोलन, सहायक होते है ।

२) अप्रत्यक्ष सहभाग :- लोक प्रत्यक्ष राजनीतिमें हिस्सा न लेकर अपना कर्तव्य समझकर राजकारण को समर्थन देते है । मतदान करना है, इस लिऐ करते है उसे अप्रत्यक्ष सहभाग कहते है ।

४.१ विधानसभा के कामकाज में सहभाग :-

हर एक जनप्रतिनिधी को जो विशेष अधिकार होता है, उसमें महत्वपूर्ण यानी जीस सदन में जो जनप्रतिनिधी होकर चूनकर दिया गया हो उस सदन में जनता की समस्या को प्रस्तृत करके संसदिय आयुधोंका रितसर इस्तेमाल करके समस्याओ का निराकरन कर लेना किंतू इसके लिए जनप्रतिनिधी सर्वंकष रहना जरुरी होता है । जनप्रतिनिधी विधानसभामें तारांकित और अतांराकित प्रश्न, ध्यान खिंचनेवाली सुचना, आधा घंटा चर्चा, अल्पसुचना प्रस्ताव, प्रस्ताव आ. आयुधोंकी सहायतासे अपने मतदार संघ की और अन्य भी लोकोपयोगी समस्याओंका निराकरन करते रहते है । कईबार जनप्रतिनिधीयोंने प्रस्तृत किए गए प्रश्न अथवा चर्चा सदन के मुख्यस्तर पर आती ही नही । किन्तु प्रश्न दाखल करते ही उसपर कार्यवाही शुरु होकर समस्या सुलझाने के लिए शुरुआत होती रहती है ।

विधायक चैनसुख संचेतीजीने प्रथम १९९५ के चूनाव में जीत के पश्चात महाराष्ट्र विधानसभा में संसदिय आयुधों का इस्तेमाल करके प्रत्यक्ष किया गया सहभाग दिखाइ देता है । इ.स. १९९५ से २००० तक के काल में १९९५ में विधानसभा के तीन अधिवेशन हुए । ५३ दिन तक कामकाज चला । उनमें सें ४४ दिन विधायक चैनसुख संचेतीजी सदन में हाजिर रहकर कामकाज में शामिल हुए थे ।[१] तथा प्रत्यक्ष सहभाग में उन्होंने मलकापूर देहातों का सिंचाई तालाब, पाणी की समस्या, रस्तों के काम, बांध बाँधने के लिए और

---

१. कुलकर्णी, अविनाश, कर्तव्यपूर्तीचे पहिले पाऊल, विधानसभेतील कामकाजात सहभाग, मुद्राशिल्प वेस्ट हायकोर्ट रोड, बजाजनगर, नागपूर, दि. १८ मार्च १९९६, पृष्ठ क्र. ३५.

Scanned by CamScanner

रोजगार कामगारों को स्थायी नियुक्त करने के बारे में और जलगाँव जामोद के मानेगाव के एस.टी. (बस) मार्गपर छतोंकी व्यवस्था, नांदुरा के न्यायालय का बांधकाम, कलावंतों को परिश्रमिक (मुऑवजा) देने के बारे में ऐसी कई मांगोपर निवेदन करते समय उन्होंने प्रत्यक्ष सहभाग विधानसभा में दर्शाया । उसके बाद अर्थसकल्प अधिवेशन में छात्रों को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, एम.सी.व्ही.सी. इन केंद्रोंपर योग्य शिक्षकों भरती होने के लिए और १००० जनसंख्या जिन गाँवों में है वैसे गाँवों को शहरों सें संपर्क में रहने के लिए पूरे साल तक जोडा जाए । जिगांव बाँध प्रकल्प के लिए आर्थिक सहाय्यता की मांग । पूर्णा नदी के किनारे बसे हुए गाँवों के लिए नदी से नल योजना एवं मोताला और मलकापूर तहसिल के १८ गाँवों के लिए पाणी पुरवठा योजना कार्यान्वित कराई जाए ।[२] ऐसी कई समस्याओंको प्रकाश में लाने का कार्य विधायक चैनसुखजी संचेती ने किया है । तथा तिसरे अधिवेशन विधायक चैनसुख संचेतीजीने प्रत्यक्ष सहभाग संलग्न (पूरक) मांगोंपर बोलते हुए संसदिय आयुधोंका पहलीबार इस्तेमाल किया । कपास खरेदी की अवधी बढाने का प्रस्तावका समर्थन दर्शाते हुए विधायक विधायक चैनसुख संचेतीजी ने संपूर्ण कपास एकाधिकार (मक्तेदारी) योजना की रुपरेखा विधानसभा में प्रस्तृत की । और कपास का उत्पादन करानेवाले किसानों को ऊँचे प्रकार का मूल्य दिया जाना चाहिए ऐसा अपने भाषण से स्पष्ट किया ।

अर्थ संकल्पीय मांगोंपर बोलते समय और धरणग्रस्तों को पूर्नवसित करने की मांग और धरणग्रस्तों के परिस्थितियों की जानकारी करके दी । पाटबंधारा विभागों मागोंपर चर्चा में जिगाँव प्रकल्प के लिए ज्यादा से ज्यादा सेवाएँ और कालबध्द कार्यक्रमों की मांग विधानसभामें प्रस्तृत की । अन्य सदस्यों के मांगोपर, प्रस्तावोंपर समर्थन दर्शाते समय उन्होंने अपना विचार (मत) विधानसभा में दर्शाया । इ.स. १९९५ के काल में ध्यान खिंचनेवाली सुचना रखते समय पुलिस की मारापिटी के कारण महिला ने जहर पिकर की गई आत्महत्या के बारे में सरकार का ध्यान खिंचा और यह चर्चा बहुतही प्रभावी हुई । ऐसा दिखाई देता है। अथवा आधा घंटा चर्चा, लिखित प्रश्न प्रस्ताव इस शस्त्र का इस्तेमाल करके इ.स. १९९५ के प्रत्यक्ष सहभाग उनका दिखाई देता है ।

इ.स. १९९६ के महाराष्ट्र विधानसभा के तीन अधिवेशनों के काल में विधायक चैनसुख संचेतीजी ने संसदिय आयुधों को अतारांकित प्रश्न क्र. ३१८०० के अनुसार नलगंगा प्रकल्प की सुरक्षा के लिए और नहरों की (कालवा) विशेष दुरुस्ती के लिए अनुदान उपलब्ध करके देने के बारे में लिखित प्रश्न सन्माननिय पाट –बाँध विकास मंत्री को किया ।[३] महाराष्ट्र के यवतमाल जिलेके पांढरकवडा यहाँ अतिरिक्त सत्र न्यायालय स्थापित करने के बारे में अतांराकित प्रश्न रखा गया । तारांकित प्रश्न प्रस्तृत करते समय क्र. २३७९८ के

---

२. पुरक मागण्या, मार्च ते एप्रिल अधिवेशन (Index), विधानसभा, मुंबई दि १८ मार्च १९९५, ५ वा दिवस, पृष्ठ क्रं. ३५.

३. अतारांकित प्रश्न, मार्च ते एप्रिल अधिवेशन (Index), विधानसभा, मुंबई ३ एप्रिल १९९५, १० वा दिवस, पृष्ठ क्रं. ४९

Scanned by CamScanner

अनुसार मानेगाव (तहसिल जलगाँव जामोद) जिला बुलडाणा यहाँ के बाढपिडितों के पूनर्वसन का प्रश्न सन्माननिय पूनर्वसन मत्री इनके सामने प्रस्तृत किया । और विदर्भ विकास की विषमता और पिछडापन दूर करने के बारे में प्रस्ताव विधानसभा में लगातार दो दिन विवेचन किया हुआ दिखाई देता है ।[४]

विधायक चैनसुख संचेतीजी ने इ.स. १९९७ इस वर्षमें विधानसभा में प्रत्यक्ष सहभाग में राज्य के कृषी विषयक धारणोंपर कृषी मंत्री को समर्थन दर्शाते हुए अपना विचार प्रस्तृत किया ।

इ.स. १९९८ में हुए तीन अधिवेशनों में विधायक चैनसुख संचेतीजी ने विधानसभा के कामकाज में प्रत्यक्ष सहभागी होकर मार्च में शुरु हुए अधिवेशन में पाँचवे दिन प्रस्ताव रखा । और अतारांकित प्रश्नों मे मा. मुख्यमंत्री के सदनिक का के बारे में नागरी भूमि अधिग्रहण कायदे के अनुसार शासन को मिलनेवाली सदनिका मा. मुख्यमंत्री इनकी स्वेच्छाधिकार पर वितरित किए जानेवाली मर्यादाएँ, विज्ञापनों सें प्रसिध्द करने के बारे में । दुसरा अतारांकित प्रश्न राज्य विश्व विद्यालयीन शिक्षकेत्तर कर्मचारियोंने शुरु की गई हडताल के बारे में और ऊर्जा खातों की चर्चा के समय मा सदस्यों ने किए गए भाषणों में गलत समालोचन करने के बारे में वि. ह.सु.रखी गई ।

इ.स. १९९८ के जूलाई से शुरु हुए अधिवेशन में मानोरा (तहसिल महागाव, जिला –यवतमाल) यहाँ के सिंचाई तालाब के लिए विहित किए गए खेती का उचित मूल्य मिलने के बारे में प्रस्ताव रखा गया । महाराष्ट्र की समस्याओं को प्रकाशित करते हुए ३३ के.व्ही. विद्युत स्टेशन को मंजूर करने के बारे में प्रश्न विधानसभा में रखा गया ।[५] तथापि दिसंबर के अधिवेशन में प्रश्नोत्तर के तास – समय में प्रश्न क्र. ७६२०८ नूसार शासकिय आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राध्यापकों के रिक्त पद भरने के बारे में किए गए ।[६] प्रश्न नागपुर जिलें के बुटीबोरी औद्योगिक वसाहत में सुविधाएँ नही होने के बारे में ध्यान खिंचनेवाली सुचना, पैठण यहाँ संतपीठ वास्तु निर्माण करने के बारे में प्रश्न प्रस्तृत किया । उन्हौने विधानसभा में संबंधित मंत्रियों को प्रश्न पुंछे ।

इ.स. १९९९ के अधिवेशन में विधायक चैनसुख संचेतीजी अपने कामकाज के बारे में हाजिर थे । उन्हौंने मार्च महिने के अधिवेशन में क्र. ८०८६४ के अनुसार अतारांकित प्रश्न जिगाँव (तहसिल – नांदुरा जिला –बुलडाणा) यहाँ के पाटबंधारा प्रकल्प काम के बारे मे प्रश्न सन्माननिय पाटबंधारा मंत्रीजी को पुछा । उसके बाद अधिवेशन के प्रत्यक्ष सहभाग में उन्हौंने आपने प्रांत की समस्या वहाँ रखी ऐसाही नही तो महाराष्ट्र की कई समस्याओं को राज्य के चर शासकिय आयुर्वेद महाविद्यालय के अध्यापकों की ६० रिक्त पद भरने के बारे

---

४. तारांकित प्रश्न, जुलै ते ऑगस्ट अधिवेशन (डिब्रेस), विधानसभा, मुंबई विधानसभा, १५ जुलै १९९६, पृष्ठ क्रं. ३५

५. अतारांकित प्रश्न, जुलै ते ऑगस्ट अधिवेशन(Index), विधानसभा, मुंबई, दि.२ एप्रिल,१९९८, पृष्ठ क्रं. ३९

६. अतारांकित प्रश्न, डिसेंबर ते जानेवारी अधिवेशन (Index), विधानसभा, मुंबई, दि.१७ डिसेंबर,१९९८,पृष्ठ क्रं. ५६

Scanned by CamScanner

में तारांकित प्रश्न क्र. ७६२०८ प्रस्तृत किया ।[७] और क्र. ८२८८२ नुसार कालनिर्णय इस दिनदर्शिका को बिक्री कर से छुट देने के बारे में प्रश्न किया ।[८] विधायक चैनसुख संचेतीजीने इ.स. १९९८ में कृषितूल्य तात्यासाहेब शिरवाडकर इनके शोक प्रस्तावपर स्पष्टीकरण, सत्र समाप्ती के बारे में दो शब्द कथन किए । तथापि राज्यपालके अभिभाषण पर चर्चा करते हुए भाषण किया गया दिखाई देता है ।

इ.स. २००० के अधिवेशन में लिखित प्रश्न का पहलीबार इस्तेमाल करके अतारांकित प्रश्न क्र. ८५६३ के अनुसार मलकापूर जिला बुलडाणा यहाँ के शासकिय कॉटेज रुग्णालय में किए गए सदोष, कुटूंब कल्याण नियोजन शस्त्रक्रिया की पुंच्छताछ –जाँच पडताल होने के बारे में प्रश्न क्र. १०५६५ के अनुसार नांदुरा (जिला –बुलडाणा) यहाँ के नगर परिषद के बांधकाम में भ्रष्टाचर होने के बारे में प्रश्न और प्रश्न क्र. ११३९२ के अनुसार मलकापुर के तहसिल चौक से नांदुरा नाकेतक रस्ते का कांक्रिटीकरण प्रश्न सन्माननिय सार्वजनिक बांधकाम मंत्रीजी से किया ।

इ.स. २००० के अधिवेशन में तारांकित प्रश्न प्रस्तृत करते हुए दि. १२ दिसंबर २००० को क्र. २५५०१ के अनुसार आरक्षण कायदा करने के बारे में तारांकित प्रश्न मुख्य मंत्रीजी को तथा विधानसभा के सार्वजनिक चर्चा में कच्ची कपास के बारे में (प्राषण, संस्कारण और पणन) भूतलक्षी प्रभाव से समय बढाने के बारे में किए गए विधेयक पर चर्चा प्रस्तृत की । और नांदुरा तहसिल के महाळुंगी (तहसिल नांदुरा–जिला बुलडाणा) यहाँ नया आयुर्वेदिक दवाखाना और देवधाबा, दसरखेड (तहसिल मलकापूर) अलमपूर (तहसिल नांदुरा) यहाँ प्राथमिक आरोग्य केंद्र शुरु करने के बारे में प्रश्न विधान सभा में रखे ।

इ.स. १९९५ से २००० तक के पाँच साल के काल में विधायक चैनसुख संचेतीजी ने विधान सभा के सदस्य तथा अपने मतदार संघ का जनप्रतिनिधी ऐसी दो भूमिकाओं की जिम्मेदारी संभालते हुए सभी अधिवेशनों को हाजिर रहकर मलकापूर मतदार संघ की समस्याओं का हल करने के लिए विधानसभा में संसदिय आयुधों का इस्तेमाल करके मलकापूर मतदार संघ का विकास किया हुआ दिखाई देता है । महाराष्ट्र की समस्याओंको उन्हौंने प्रकाशित करते हुए महाराष्ट्र विधानसभा के सदस्य की भूमिका निभाई ।

---

७. तारांकित प्रश्न, मार्च ते एप्रिल अधिवेशन(Index), विधानसभा, मुंबई, दि. ७ एप्रिल, १९९९, पृष्ठ क्रं. ५९
८. तारांकित प्रश्न, मार्च ते एप्रिल अधिवेशन(Index), विधानसभा, मुंबई, दि. ७ एप्रिल, १९९९, पृष्ठ क्रं. ५९

Scanned by CamScanner

अध्याय पाँचवा
विधायक चैनसुख संचेतीका विधानसभा में प्रत्यक्ष सहभाग
(इ.स. २००१– २०१०)

विधायक चैनसुख संचेती जी पहलीबार १९९५ में मलकापुर विधानसभा मतदार संघ से चूनकर आए । उनका पाँच साल का समय पूर्ण होनेपर दुबारा २००१ के विधानसभा चूनाव में उन्हें मलकापूर मतदार संघ का नेतृत्व करने का अवसर मिला । वहाँपर ही उनका नेतृत्व का मार्ग रुका नहीं बल्कि तीसरे चरण में इ.स. २००५ में फिर से वे चूनकर आए । और उसके बाद २००९ से २०१४ तक विधायक चैनसुख संचेतीजी को ही लागों ने अधिमान्यता दिलाकर फिर से अपना जनप्रतिनिधी कहकर पसंद दर्शायी ।

इस लंबे समय काल में उन्हौंने अपने प्रांतो की समस्याओं की नींव विधानसभा के अधिवेशन काल में प्रत्यक्ष सहभागी होकर कितने प्रश्न पुँच्छे, कितने प्रश्नों का हल हुआ और उससे विकास अपने प्रांत कैसे हुआ । इ.स. २००० से २०१० तक के कालमें उन्हौंने पहलीबार २००१ के वर्ष हुए अधिवेशन में अन्य अधिवेशनों में बहुतही सहभाग दिखाई देता है । प्रथम २००१ के मार्च अप्रैल के अधिवेशन में उन्हौंने अतारांकित प्रश्नों में ग्राम अनुराबाद (तह मलकापूर जि. बुलडाणा) यहाँ के गाँव के कुँओं का पाणी क्षारयुक्त[१] होने के कारण प्रश्न सन्मा जलसंपदा (पाणी पुरवठा) एवं स्वच्छता मंत्री श्री. आर. आर. पाटील सें पुच्छा । १६ अप्रैल फिरसे लिखित उत्तर में उन्हौंने नांदुरा तहसील जि. बुलाडाणा के अलमपूर से पलसोडा एवं निमगांव से नारखेड रस्ते के देख भाल एल दुरुस्ती के बारे में अतारांकित प्रश्न पूँच्छा ।[२] निमगाव (तह नांदुरा जि. बुलडाणा) यहाँ के सिंचन योजना की खंडित कि गई बिजली के बारे में क्र. ३४३५७ के अनुसार तारांकित प्रश्न श्री राजेंद्र दर्डाजी के गैर हाजिर रहने के कारण उनकी ओर से श्री पद्मसिंह पाटील उन्हें किया ।[३]

दुबारा २९ मार्च के दिन नांदुरा जि. बुलडाणा यहाँ १३२ के. व्ही. का विद्युत उपकेंद्र के निर्माण के बारे में आतारांकित प्रश्न नांदुरा तहसिल के (जिला बुलडाणा) सावरगांव चाहू यहाँ के उपकेंद्र पूल का बांधकाम अधुरी अवस्था में होने की जानकारी कर देने के लिए श्री विजयसिंह मोहिते पाटील को प्रश्न किया ।[४] तथा दिनांक ३ जनवरी २००१ के दिन मलकापूर (जिला बलडाणा) यहाँ के साप्ताहिक बाजार में लगी हुई आग इसके बारे में क्र. ३४३५६ आतारांकित प्रश्न श्री विलासराव पाटील इनसे किया ।[५] ८ मार्च इस दिन के लिखित उपरांत में मलकापूर (जिला बुलडाणा) यहाँ के कृषी उत्पन्न बाजार समिती के जगह के गाले व्यावसायिक तत्वोंपर देने के लिए ।[६] दिनांक ३० मार्च धोबी समाज का अनुसूचित

---

१. अतारांकित प्रश्न, मार्च ते एप्रिल अधिवेशन (डिबेटस्),विधानसभा, मुंबई, दि. २१ मार्च,२००१,पृष्ठ क्र. ८.
२. अतारांकित प्रश्न, मार्च ते एप्रिल अधिवेशन (डिबेटस्),विधानसभा, मुंबई, दि.२६ एप्रिल,२००१,पृष्ठ क्र.२५.
३. तारांकित प्रश्न, मार्च ते एप्रिल अधिवेशन (डिबेटस्),विधानसभा, मुंबई, दि. २२ मार्च,२००१, पृष्ठ क्र. १८.
४. अतारांकित प्रश्न, मार्च ते एप्रिल अधिवेशन(डिबेटस्), विधानसभा, मुंबई, दि.२९ मार्च, २००१,पृष्ठ क्र.२४.
५. अतारांकित प्रश्न, मार्च ते एप्रिल अधिवेशन(डिबेटस्), विधानसभा, मुंबई, दि.२३ मार्च, २००१,पृष्ठ क्र.२२.
६. अतारांकित प्रश्न, मार्च ते एप्रिल अधिवेशन(डिबेटस्), विधानसभा, मुंबई, दि.१८ मार्च, २००१,पृष्ठ क्र.१९.

Scanned by CamScanner

जाती में समावेश कराने के बारे में निवेदन दिया । दिसंबर जनवरी माह के शीत काल सत्र के अधिवेशन में विधायक चैनसुख संचेतीजी लिखित प्रश्नों में महाराष्ट्र के वर्धा जिले के समुद्रपूर (तहसिल के) गिरड यहाँ के राम मंदिरापर जिहाद लिखे हुए पाकिस्तानी झंडे के फहराए हुऐ घटना के बारे में प्रश्न।[७] श्री छगन भुजबल इनके किया है ।

६ दिसंबर २००१ के दिन दुबारा अतरांकित प्रश्न ओमनगर (जुना जालना) यहाँ के जिलाधिकारी श्री दरोडे इनके घरपर हुआ । इस घटना के बारे में प्रश्न श्री छगन भूजबल से किया ।[८] तथा ७ दिसंबर २००१ के दिन बोदवड (जिला जलगांव) चलचक्र खूर्द सिंचन तालाब रोजगार हमी योजना के अंतर्गत काम के मजदूरों को तनख्वाह न मिलने के बारे में रो.ह.यो. मत्री श्री. गणपतराव देशमुख से प्रश्न किया । दिनांक १९ दिसंबर के दिन कळंब (उस्मानाबाद) यहाँ की एक विशिष्ट जमात द्वारा किए गए न्यायालयीन परिसर के दंगो ।[९] तथा १४ दिसंबर को तारांकित प्रश्न बदलापूर (जिला ठाणे) यहाँ के अपूर्व क्लिनिक के बालरोग तज्ञ डॉ. धनंजय चांदुरकर द्वारा गलत दवाइयों देकर किडनी खराब होने के बारे में प्रश्न ऐसी हुई समस्याओं को महाराष्ट्र के अन्य कई भागों से उन्हौंने विधानसभा में प्रस्तृत किया हुआ दिखाई देता है ।[१०]

विधानसभा के प्रत्यक्ष कामकाजमें २००२ के अधिवेशन में बहुतही कम सहभाग विधायक चैनसुख संचेतीजी का दिखाई देता है । उन्होंने महाराष्ट्र के पिने के पाणी की कठीन समस्या विदर्भ की सिंचन की अधुरी सुविधाएँ, राज्य की बढती हुई जनसंख्या मुंबई शहर में बाहर से आए हुए लोगों की बढती हुई संख्या, ऐसे चार प्रस्ताव का उल्लेख क्र. ७५, ७६, ७७ और ७८ के अनुसार विधानसभा में रखा । तथापि २००२ मे श्री मनोहर जोशी इनका लोकसभा अध्यक्ष पद के लि चयन होने के कारण अभिनंदन का प्रस्ताव विधान सभा के सदस्यों के साथ विधायक चैनसुख संचेतीजी ने विधानसभा में रखा । और १९ दिसंबर के दिन राज्य में निर्माण हुई कायदा एवं सुरक्षा के हालातो के बारे में जानकरी देने के लिए विधायक चैनसुख संचेतीजीने श्री नारायण राणे को इनको रखे गए प्रस्ताव बोलते हुए उन्होंने अपने मलकापूर मतदार संघ के कायदा एवं सुरक्षा के बारे में जानकारी होने के बारे में ध्यान खिचनेवाली सुचना रखी । तथा फौजदारी प्रक्रिया एवं संहिता (विधेयक) प्रस्ताव इ.स. २००२ वि.स.वि.क्र. १९ के अनुसार श्रीमती विशाखा राऊत इनके रखे गए अशासकिय प्रस्ताव के बारे में अभिनंदन करते हुए अपने विचार प्रस्तृत किए ।[११]

---

७. अतारांकित प्रश्न, मार्च ते एप्रिल अधिवेशन(डिबेटस्), विधानसभा, मुंबई, दि.१८ मार्च, २००१,पृष्ठ क्र.१९.
८. अतारांकित प्रश्न;नोव्हेबर ते डिसेंबर अधिवेशन(डिबेटस्),विधानसभा,नागपूर,दि.६डिसेंबर,२००१,पृष्ठ क्र.१६२.
९. पूर्वोक्त, पृष्ठ क्र. ४२.
१०. पूर्वोक्त, पृष्ठ क्र. ११०.
११. विधेयकावर भाषण,डिसेंबर ते जानेवारी अधिवेशन(डिबेटस्), विधानसभा, नागपूर, दि.२० डिसेंबर, २००२, पृष्ठ क्र. १८३.

Scanned by CamScanner

२००३ के अधिवेशन मे सामुहिक लिखित प्रश्न क्र. ८५६८७ के अनुसार चिखली (जिला बुलडाणा) तहसील के अर्ध घाऊक केरोसिन परवाने की बंदी रद्द करने के बारे में। [१२]

२००४ में विधायक चैनसुख संचेतीजी ने विधानसभा के प्रत्यक्ष कामकाज में सहभाग दर्शाते हुए सामुहिक तारांकित प्रश्न रखे । इसमें चिखली तहसिल (जिला बुलडाणा) जले हुए विद्युत टान्सफॉर्मस के बारे में तथा दुसरा मौजे चुरणी तहसिल चिखलदरा जिला अमरावती यहाँ के प्राथमिक आरोग्य केंद्र, काटकुंभ तहसिल. चिखलदरा को स्थानांतरीत करने के बारे में विधानसभा के अधिवेशन में प्रस्ताव रखे गए । [१३]

इ.स. २००५ की विधानसभा अधिवेशन मे विधायक चैनसुख संचेतीजी ने तारांकित एवं अतारांकित प्रश्नों के बहुत उपयोग किया । प्रथम उन्हौंने दिसंबर के अधिवशेन में लिखित प्रश्नों का उल्लेख करते हुए विधायक चैनसुख संचेतीजी ने इ.स. २००५ के दिसंबर महिने के अधिवेशन की शुरुआत पान्हेरा (जिला बुलडाणा) यहाँ के प्रादेशिक जल पूरवठा योजना के बारे में सवाल श्री अजित पवार से किया ।

दुसरा लिखित प्रश्न क्र. २२०२४ के नूसार बुलडाणा जिले के महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण बांधकाम विभाग के खामगांव के विभागीय कार्यालय बंद किए गए के बारे में। [१४] तथा बुलडाणा जिले के खारपान (क्षारयुक्त) भूभाग के अंतर्गत न होने के बारे में नांदुरा तहसील के नायगाँव के पिने के पाणी में क्लोराईड का प्रमाण दिखाई देने के बारे में अतारांकित प्रश्न श्री अजीत पवार से किया । लिखित प्रश्नों में विधायक चैनसुख संचेतीजी ने बुलडाणा जिले के मलकापूर देवधाबा, रस्ते के हिंगणाकाझी नदीपर पाईप मोरियों की ऊँचाई बढाने के बारे में प्रश्न श्री छगन भूजबल से किया । ६ दिसंबर के दिन अतारांकित प्रश्न क्र. २२०१३ के अनुसार बुलडाणा जिले में अंगणवाडी एवं प्राथमिक शाला के विद्यार्थियों को निकृष्ट दर्जे का आहार साहित्य पुराने के बारे में खुलासा जाँच श्री हर्षवर्धन पाटील से किया । [१५]

विधायक चैनसुख संचेतीजीने बुलडाणा जिला अकाल ग्रस्त जाहीर करणे के बारे में श्री नारायण राणे को लिखित स्वरुप माँग कि गई । इस प्रकारों की समस्याएँ रखकर अपने प्रांत कि ओर सरकार का ध्यान खिंचनेका कार्य किया हुआ दिखाई देता है । उसी प्रकार कई प्रकार की ध्यान खिंचनेलवाली सुचना का उपयोग भी २००५ में किया हुआ है ।

विधायक चैनसुख संचेतीजी ने इ.स. २००६ में म.वि.स. नियम १०५ के अनुसार लक्षवेधी सुचना राज्य शासन के आरोग्य विभाग से वैद्यकिय सुविधाओं के लिए लागू किए जानेवाले शुल्क में बढोत्तरी करने के बारे में लक्षवेधी सुचना कि विस्तृतता के साथ रखा गया ।

---

१२. अतारांकित प्रश्न,डिसेंबर ते जानेवारी अधिवेशन (डिबेटस्), विधानसभा, नागपूर, दि.२१ डिसेंबर,२००३, पृष्ठ क्र. ३४.

१३. तारांकित प्रश्न,डिसेंबर ते जानेवारी अधिवेशन(डिबेटस्),विधानसभा,नागपूर,दि.१७डिसेंबर,२००४,पृष्ठ क्र.२६.

१४. अतारांकित प्रश्न,डिसेंबर ते जानेवारी अधिवेशन(डिबेटस्),विधानसभा,नागपूर,दि.१२डिसेंबर २००५,पृष्ठ क्र.८७

१५. अतारांकित प्रश्न,डिसेंबर ते जानेवारी अधिवेशन(डिबेटस्),विधानसभा,नागपूर,दि.६डिसेंबर २००५,पृष्ठ क्र.६५

Scanned by CamScanner

इ.स. २००७ में जुलाई महिने के अधिवेशन मे लक्षवेधी सुचना में राज्य की ग्रामपंचायत, पंचायत समितीयाँ, जिला परिषद इन स्तरोंपर काम किए जाने के लिए जनसंख्या के नुसार निधी की उपलब्धता कर देनेपर एवं मिली हुई निधी राशी का विनियोग करने की जिम्मेदारी जिला परिषद इस स्थानिक स्वराज्य संस्था की होने के बारे में लक्षवेधक सुचना रखी । इ.स. २००७ में अतारांकित प्रश्न रखते समय पीछडे वर्ग के कुल ५७० मृत वीज कर्मचारियों के रिश्तेदारों को नोकरी दिलाने का आदेश इसके बारे में किया गया सवाल।

२००७ में अतारांकित प्रश्न प्रस्तृत करते समय विधायक चैनसुख संचेतीजी ने सच्चे अर्थ सें आदिवासियोंपर हुए अन्याय के बारे में कि जानेवाली कार्यवाही के बारे में शासन की कार्यवाही के बारे में प्रश्न पूँछते हुस हलबा कही जानेवाली कोष्टी समाज ने झूठी जात प्रमाणपत्र के आधारपर शासन को गुमराह करके शासन कई कार्यालयों मे राज्य में ९५ हजार के आसपास की नोकरियाँ मिलाई उनपर कब्जा किया । इसके बारे मे प्रश्न रखा गया । एसे कई साँसदिय आधुयोंका उपयोग इ.स. २००७ में किया गया दिखाई देता है ।

इ.स. २००८ मे विधायक चैनसुख संचेतीजी ने प्रत्यक्ष कामकाज में सहभागी होते हुए उन्होंने मार्च अप्रैल के अधिवेशन में विदर्भ का रस्ता अनुशेष १० हजार ५०० कोटी तक पहुँचा । यह अनुशेष दुर करने का प्रयत्न न होना इसके बारे में लक्षवेधक सुचना रखी । तथा दुसरी लक्षवेधी सूचना गडचिरोली जिले के प्रकल्प अधिकारी इन्होंने एकात्मिक आदिवासी प्रकल्प कार्यालय के लिए आ रही शासकिय आश्रम शाला का निकामी हुआ लोहे का साहित्य बाजार मूल्य हटाकर बहुतही कम यानी रद्दी के भाव में एक कर्मचारी के संगनमतसे बिका जाने के बारे में सरकारका ध्यान खिंचा । विदर्भ के यवतमाल जिला परिषद केंद्र शासन के रोजगार के बारे मे योजनाओं का शासकिय निधि में १२ कोटी ८० लाख रुपयों को चूना लगाए जाने की बात मार्च २००८ में सामने आने के बारे में सामुहिक रितीसे लक्षवेधक सुचना महाराष्ट्र के अमरावती जिले की स्पॉट बिल्डींग में हुए अफरा तफरी के बारे में लक्षवेधी सुचना रखी । तथा संकट में आए हुए किसानों के कुटुंब के लिए शासन सहाय्यता किए हुए पॅकेज के बारे में लक्षवेधी सुचना का उपयोग किया हुआ दिखाई देता है।

इ.स. २००९ में पहलीबार उन्होंने द्वितीय अधिवेशन के कामकाज में सहभाग दर्शाते हुए महाराष्ट्र के विदर्भ से कुल ९ सिंचन प्रकल्पों के प्रस्ताव केंद्रीय जल आयोग में पडे हुए होने के बारे में सरकार का ध्यान खिंचा । उसी दिन दुसरी लक्षवेधी सुचना रखते हुए राज्य में फसलों के कर्जे के लिए पात्र हुए ।

कुल ७० लाख किसानों मे से १२ लाख किसान कपास उत्पादक रहकर नाबार्ड से किसानों के लिए मंजूर किए गए १४ हजार कोटी रुपयों में से ८ हजार कोटी रुपये पश्चिम महाराष्ट्र के पूणे, नाशिक विभागों के लिए जारी किए जाने के बारे मे माह मई २००९ में दिखाई दिया । इसके कारण नाबार्ड से मजूर किए गए फंसल कर्ज के वितरण मे पश्चिम महाराष्ट्र को ६० प्रतिशत तो पश्चिम विदर्भ को केवल १५ प्रतिशत निधी मंजूर होने के बारे

Scanned by CamScanner

में।[१६] इन बातों को सामाने लाया गया । तथा सामुहिकरितीसे सहभागी होकर लेक्षवेधक सुचना रखी । राज्य शासन की कक्षा के अंतर्गत ४५० सरकारी रुग्णालयोंसे तज्ञ डॉक्टरों जगह गत १० साल से रिक्त होने के बारे में, अकोला से नजदिक रहे बालापूर तहसिल के ग्राम वडगाव यहाँ के दिनांक २३ मई २००९ के दिन[१७] श्रीमती रंगुबाई धोटे इस ७० साल उम्र की वृध्द महिला द्वारा जादू-टोना किए जाने के शकपर पडोसी रहनेवाले श्री सुरेश जढाळ एंव उसके कुटुंब के सदस्योंने सदर महिला को विवस्त्र करके गधोपर बिढाकर यात्रा निकाली एसी घटना । और राज्य के २५ लाख २ हजार ६५३ बालकें कुपोषण की विविध श्रेणीयों में दिखाई दिए । मेळघाट में कुपोषण एवं बालमृत्यु का सबसे अधिक प्रमाण रहकर माह जनवरी २००९ तक ९७१६ बालमृत्यु हुए रहने के बारे में तथा माह मार्च से मई २००९ के काल में मराठवाडा एवं कोकण, खान्देश, विदर्भ व पश्चिम महाराष्ट्र यहाँ के अनेक जगहोंपर हुए अवर्षण बारीश से एवं गारपिट के कारण किसानों की फसलों का बहुत ही बडी मात्रा में हानी हुई । इन सभी बातों को सरकार के ध्यान में लाकर देने के लिए उन्हौंने सामुहिक पध्दतिसे सहभाग लिया ।

इ.स. २०१० में प्रथम मार्च अप्रैल के अधिवेशन में प्रथम तारांकित प्रश्न क्र. ३३६ नुसार राज्य के बालकों के कुपोषण के बारे मे प्रश्न विधायक चैनसुख संचेतीजीने विधानसभा में प्रस्तृत किया ।[१८] उसके बाद तारांकित प्रश्न क्र. ४२९१ के अनुसार विधायक चैनसुख संचेतीजीने राज्य में विशेषत : कोकण, महाराठवाडा, पश्चिम महाराष्ट्र, नाशिक, ठाणे एवं विदर्भ का बुलडाणा आ. माह जनवरी २०१० के काल हुई अवर्षन बारिश के कारण तथा गारपिट से किसानों के फसलों का बहुत ही मात्रा में हानी हुए होने के बारे में प्रश्न किया।[१९] उसके बाद प्रश्न क्र. ५०६१ के अनुसार नकली किट नाशकों के कारण ११०० कोटी रुपयो के फसल हानी होने के बारे में प्रश्न कृषिमंत्री के सामने प्रस्तृत किया।[२०] विदर्भ के किसानों की आत्महत्या रुकवाने के लिए मंजूर हुआ निधि (राशी) निर्देशित हुए होने के बावजूद भी नही दिया गया । होने के कारण प्रश्न क्र. ८७२९ कृषिमंत्री से विधायक चैनसुख संचेतीजी ने किया ।

मलकापूर मतदार संघ से संबंधित प्रश्न रखते हुए विधायक चैनसुख संचेतीजी ने क्र. ६९९६ के अनुसार आधा घंटा सुचना मलकापूर (जिला बुलडाणा) तहसिलके विविध गाँवो के रस्ते नादुरुस्त हुए होने के बारे में समस्या रखी गई ।

विधायक चैनसुख संचेतीजीने मार्च अप्रैल के अधिवेशन में अतारांकित प्रश्न का उल्लेख करते हुए क्र. ४४७ के अनुसार अमरावती शहर के मटाकाकिंग अहमद शफी मोहम्मद हनीफ इनका दिनांक ३० जुलाई २००९ के दिन अथवा उस समय के दौरान साथीदारों के

---

१६. महाराष्ट्र विधानसभा द्वितीय अधिवेशनातील कामकाजाचा वृत्तात, दि. १६ जून २००९, पृष्ठ क्र. ३१३
१७. महाराष्ट्र विधानसभा द्वितीय अधिवेशनातील कामकाजाचा वृत्तात, दि. १६ जून २००९, पृष्ठ क्र. ३०९.
१८. महाराष्ट्र विधानसभा मार्च-एप्रिल २०१० अधिवेशनातील कामकाजाचा वृत्तात,पृष्ठ क्र. ३५२.
१९. पूर्वोक्त, पृष्ठ क्र. ६१६.
२०. पूर्वोक्त, पृष्ठ क्र. ७०६.

Scanned by CamScanner

साथ खून हुए होने के बारे में अतारांकित प्रश्न प्रस्तृत किया ।[२१] इसी अधिवेशन में मलकापूर जिला बुलडाणा यहाँ के रस्तेपर एवं नदी नालोंपर १३ पूल एवं ८ स्लॅनट्रेन समाविष्ट कामों की कार्यवाही के बारे में अतारांकित प्रश्न क्र. २०५०१ केनूसार २३-९-२०१० के दिन रखा गया ।

तिसरे अधिवशेन में तारांकित प्रश्न क्र. २३२१३ के नुसार राष्ट्रीय फसल बिमा योजना के नुसार फलल बीमा के लिए राज्य शासन ने कंपनी को निधि जमा कराए जानेपर बिमा कंपनी ने किसानों को नुकसान भरपाई न दिए जाने के बारे में प्रश्न विधानसभा में प्रस्तृत किया ।[२२] उसके बाद फिरसे तारांकित प्रश्न क्र. २३२१८ के नुसार विदर्भ के गोंदिया जिले में बिमा कंपनी की रुकावट के कारण १२३ किसानों को दुर्घटना बिमा से वंचित रहना पडा । इन बातों का जिक्र विधायक चैनसुख संचितीजी ने किया ।

इ.स. २०१० के तिसरे अधिवेशन में सामुहिक पध्दतीसे तारांकित प्रश्न क्र. २७१८५ नांदुरा तहसिलके दहीवडी यहाँ के गाँव तालाब के काम में बहुत ही बडी मात्रा में भष्टाचार हुआ होने के बारे में जलसंधारण मंत्री को प्रश्न किया ।

इ.स. २०१० में हुए दुसरे अधिवेशन में विधायक चैनसुख संचेतीजी ने अतारांकित क्र. ४४४ केनूसार वरुड (जिला अमरावती) यहाँ के महात्मा फूले महाविद्यालय के लिपीक ने परीक्षा शुल्क की रकम का किया हुआ अपहार होने के बारे में प्रश्न उच्च व तंत्र शिक्षण मंत्री के सामने रखा ।[२३]

इससे यह दिखाई देता है कि, विधायक चैनसुख संचेतीजीने गत १० साल के समय में विविध संसदिय आयुधोंका उपयोग करके अपने प्रांत की तथा महाराष्ट्र विकास होने के लिए बहुत ही प्रयत्न किया है । उसमे उन्हें अधिकतम मात्रा में विकास कृती में लाने में सफलता मिली है ऐसा दिखाई देता है । पूर्वकालके मलकापूर विधानसभा मतदार संघ का चेहरा बदला हुआ दिखाई देता है । यह विधायक चैनसुख संचेतीजींका विधानसभा का कामकाज में प्रत्यक्ष सहभागोंका परिणाम ही कह सकते है ।

---

२१. अतारांकित प्रश्न, मार्च ते एप्रिल अधिवेशन(डिबेटस्),विधानसभा, मुंबई, दि.२७.१.२०१०, पृष्ठ क्र. १९.
२२. तारांकित प्रश्न,नोव्हेबर ते डिसेंबर अधिवेशन(डिबेटस्),विधानसभा,नागपूर,दि.०२.१२.२०१०, पृष्ठ क्र. १४.
२३. अतारांकित प्रश्न, जुलै ते ऑगस्ट अधिवेशन(डिबेटस्),विधानसभा, मुंबई, दि. १६.१.२०१०, पृष्ठ क्र. २.

Scanned by CamScanner